Rates & Ratios

बैंक दर → उधारी की दर

रेपो दर → Lending rate

↓

RBI

↓

Commercial Banks

बैंक दर → वाणिज्यिक बिल
Commercial Bills

रेपो दर → सरकारी प्रतिभूतियां
बोन्ड

Repo → repurchase

Bank —बॉन्ड→ RBI

Borrow

उधार

Monetary Transmission Mechanism

↓ Repo Rate

↓

↓ Lending rate + Deposit rate

↓

↑ Demand for <u>liquidity</u>

↓

↑ Demand for goods

↓

↓

↑ Lending rate

+

↑ Deposit rate

↓

↓ Demand for Liquidity

↓

↓ Demand for Goods

↓

↓ Inflation

Bank Rate Repo Rate

Reverse Repo Rate रिवर्स रेपो रेट

ब्याज की वह दर जिस पर RBI वाणिज्यिक बैंकों की अतिरिक्त तरलता को सोखता (absorb) है।

A rate of interest at which the RBI absorbs excessive liquidity of comm. banks.

At this rate, banks can deposit their liquidity with the RBI.

In this respect, the RBI submits govt. bonds to the Comm. banks with the promise of <u>repurchase</u>.

इस तरह, बैंक अपनी तरलता को RBI के पास जमा करवा सकते हैं। इस सन्दर्भ में RBI पुनर्खरीद (Repurchase) के बारे में साथ बैंकों को सरकारी बोन्ड जमा करवाता है।

If RRR is higher, then, banks will deposit more with the RBI. This will reduce liquidity for the public.

यदि RRR ऊँची होती है तो बैंक RBI के पास अधिक मात्रा में जमा करायेंगे जिससे लोगों के लिए तरलता का स्तर कम हो जायेगा।

If RRR is lower, then, the liquidity for the public will increase because banks will deposit less with the RBI.

यदि RRR कम है तो जनता के लिए तरलता का स्तर बढ़ेगा क्योंकि बैंक RBI के पास कम जमा कराना चाहेंगे।

RRR _ O

(−)

Note –

After the introduction of SDF Rate, the RBI is keeping the RRR fixed, hence, the RRR is also being known as FRRR (Fixed RRR).

SDF Rate के लागू करने के बाद RBI द्वारा RRR को नहीं बदला जा रहा है। इसलिए, इसे FRRR (Fixed RRR) के नाम से भी जाना जा रहा है।

Present level of FRRR — 3.35%

Standing Deposit Facility

(i) Under it, banks can deposit liquidity with the RBI for overnight.

इसके अन्तर्गत बैंक Overnight के लिए RBI को अपनी तरलता जमा करा सकते हैं।

(ii) No collateral is to be given by the RBI into the form of govt. bonds etc.

रिजर्व बैंक को कोई सरकारी बोन्ड आदि को बैंको के पास रखने की आवश्यकता नहीं होती है

This is also called as **UDF**.

इसे **UDF** भी कहा जाता

(iii) Banks can park their money under this rate by using **e-Kuber**, an electronic trading platform run by the RBI.

रिजर्व बैंक द्वारा संचालित एक इलेक्ट्रोनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, e-kuber का प्रयोग करके बैंक इस दर के आधार पर RBI के पास धन जमा

(iv) The RBI said that the SDF Rate woulld be 25 basis points (0.25%) lower than the Repo Rate.

रिजर्व बैंक द्वारा यह कहा गया कि SDF Rate रेपो दर की तुलना में 25 आधार बिन्दु (0.25%) नीचे रहेगी।

(i) Present SDF Rate –

6.25%

(Repo Rate 6.50%)

(ii) Suggested by –

Urjit Patel Committee

उर्जित पटेल

6.5%
Repo Rate
6.25%
SDF Rate
3.35%
FRRR
0

Bank Rate, Repo, RRR, SDF

Marginal Standing Facility

(i) Introduced — May 2011

(ii) Overnight lending rate to be charged by the RBI.
रिज़र्व बैंक द्वारा वसूली जाने वाली Overnight की उधारी की दर।

(iii) Presently, the RBI keeps the MSF Rate higher by 25 basis points as compared to the RR.

वर्तमान में RBI द्वारा MSF दर को <u>RR</u> की तुलना में 25 आधार बिन्दु ऊपर रखता है।

↓

Present level – **6.75 %**

Diagram -

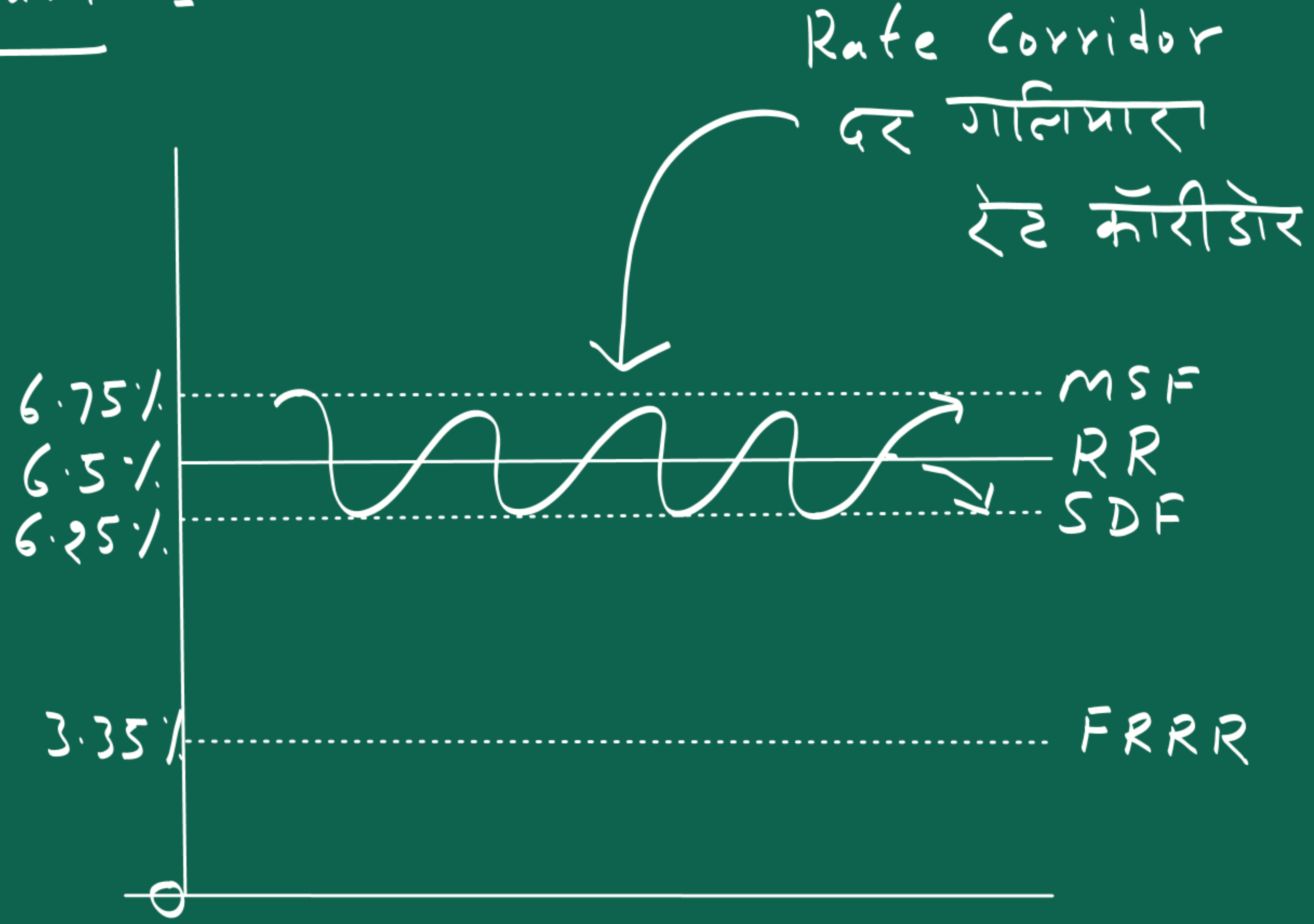

↑ RR — SDF ↑

↓ RR — SDF ↓

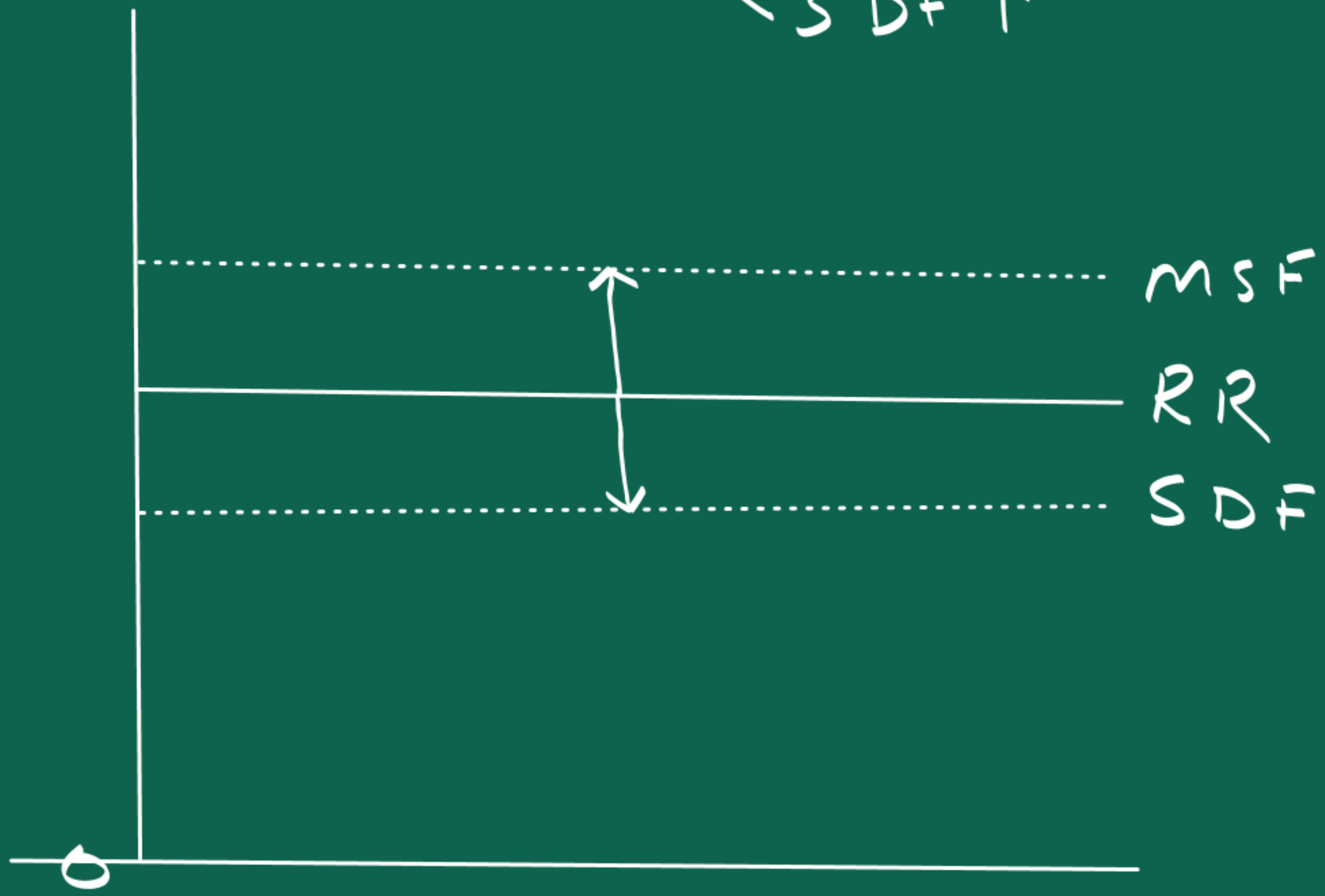

RBI v/s Banks

Banks v/s Customers